निकुंज में विराजे

निकुंज में विराजे, घनश्याम राधे राधे ll
*हो श्याम राधे राधे, घनश्याम राधे राधे l
निकुंज में विराजे, घनश्याम राधे राधे ll

सिर मोर, मुकुट अधिराजे l
*हो क़र कमलों में, कंगणा मनी है l
कानो में, कुण्डलिया सोहे l
*हो दो नैनन में, कज़रा बसत है l
श्याम राधे राधे, घनश्याम राधे राधे ll*
निकुंज में विराजे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

मुरली वाले की, महफ़िल सजी है l
*हो बँसी वाले की महफ़िल सजी है l
*हो कमली वाले की, महफ़िल सजी है l
निकुंज में विराजे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

उनकी रहमत का, झूमर सजा है l
हमको महसूस, ये हो रहा है l
*हो तेरी महफ़िल में, करुणा भरी है l
निकुंज में विराजे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

मेरी झोली, भी सरकार भर दो ll
*हो आपने सब की, झोली भरी है ll

निकुंज में विराजे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F
राधे राधे,,, श्याम मिलादे,,, llll धुन
अपलोडर- अनिलरामूर्तीभोपाल

Source: https://www.bharattemples.com/nikunj-mein-biraje/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw